



BULLISH PENNANT

EXPLAIN

Bullish Pennant Explain

अगर फ्लैग पैटर्न और सिमेट्रिक ट्रैंगल

पैटर्न को मिलाया जाये तो बुलिश

पेनन्ट पैटर्न बनता है ये पैटर्न अपट्रेंड में

बनता है और ट्रेंड कॉन्टीनुअश का

काम करता है

**स्ट्रॉग अप ट्रेंड में एक समय प्रॉफिट बुकिंग के कारण
मार्किट साइट वेज चला जाता है। और हायर लो और
लोअर हाई बनाता है अगर ये हायर लो और लोअर
हाई एक ट्रेंड लाइन के साथ जोड़ा जाये तो सिमेट्रिक
टैंगल जैसा पैटर्न बनता है जहाँ से अपट्रेंड शुरू हुआ
था । वहाँ से अगर एक लाइन खीच के इस सिमेट्रीक
टैंगल को जोड़ दी जाये तो पेनन्ट पैटर्न बनता है !**

इस पैटर्न का ब्रेकआउट सामान्य तौर पर ट्रेंड की दिशा में होता है! लेकिन अगर विपरीत दिशा में ब्रेकआउट होता है! तो इस पैटर्न को ट्रेड नहीं करना चाहिए! ये पैटर्न अपट्रेंड में थोड़ी सी रुकावट दर्शाता है! लेकिन बाद अपट्रेंड कंटिन्यू हो जाता है!

Real Example



इस पैटर्न को कैसे ट्रैड करें?

1. अगर कोई ग्रीन कैंडल पेनन्ट पैटर्न की ऊपर की ट्रैड
लाइन को ब्रेक करके उसके ऊपर क्लोज होती है तो
उस ग्रीन कैंडल के बाय एंट्री लेनी चाहिए स्विंग लो के
की लम्बाई जितनी है उतने तक के टारगेट इस पैटर्न में
मिल जाते हैं

**2. ब्रेकआउट कैंडल के
वॉल्यूम पिछले 3 - 4
कैंडल के वॉल्यूम से ज्यादा
होने चाहिए !**

**3. स्विंग ट्रेडर्स इस पैटर्न को डेली
टाइम फ्रेम के साथ ट्रेड कर
सकते हैं इंट्राडे ट्रेडर्स 5 - 25
मिनट टाइम फ्रेम के साथ ट्रेड कर
सकते हैं!**

ये पांडित्य हमेशा याद रखें!

1. बुलिश पेनन्ट पैटर्न एक ट्रेंड
कॉन्टीनुअशन पैटर्न है अपट्रेंड में
थोड़ी लकावट के बाद मार्किट फिर
से अपट्रेंड कांटिन्यू करता है!

**2. अगर कोई ग्रीन कैंडल ऊपर की
ट्रेंड लाइन को ब्रेक करके उसके
उपर क्लोज होती है तो उस ग्रीन
कैंडल के हाई के उपर एंट्री होनी
चाहिए !**

३. स्विंग लो के निचे स्टॉपलॉस होना चाहिए !

**4. पेनन्ट के पोल की जितनी
लम्बाई होती है उतने टारगेट
आसानी से मिल जाते हैं!**

5. ब्रेकआउट केंडल के वॉल्यूम

**पिछले 3 - 4 केंडल के वॉल्यूम से
ज्यादा होने चाहिए!**

**6. स्विंग ट्रेडस डेली टाइम फ्रेम के
साथ और इंटर्यांडे ट्रेडस 5-25
मिनट टाइम फ्रेम के साथ ट्रेड कर
सकते हैं!**

**THANK
YOU!**